कपास नई खोज़

भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र

देखें: www.cicr.org.in

अंक: 3 खंड: 4 अप्रैल 12-18, 2015

कें.क.अनु.सं., नागपुर द्वारा डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की 124 वें जयंती मनाई गयी

केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर द्वारा भारतीय संविधान के वास्तुकार भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के 124 वें जयंती मनाई गयी । इस अवसर पर सामाजिक विचारक दार्शनिक और विख्यात लेखक प्राध्यापक. नागेश चौधरी मुख्य अतिथि थे । डॉ के.आर. क्रांति, निदेशक, केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर ने समारोह की अध्यक्षता की । शुरूआत में गणनान्य व्यक्तियों ने डॉ बाबासाहेब अंबेडकर को पुष्पांजलि और श्रद्धांजलि अर्पित की एवं राष्ट्र के लिए उनके योगदान को याद किया । इस अवसर पर भाषण देते हुए प्रो. नागेश चौधरी ने डॉ. अम्बेडकर के सामाजिक संरचना के विचारों को सविस्तार किया जो भारत में प्रचलित थे एवं राष्ट्र के समाज की समृद्धि के लिए इससे बनाए रखने का प्रेरणा दिया । डॉ. क्रांति ने डॉ. बाबासाहेब की आगामी 150 वीं वर्षगाँठ जयंती के स्मरणोत्सव के लिए वर्षभर के समारोह की बात की । डॉ. वी एन. वाघमारे द्वारा परिचयात्मक टिप्पणी दे दी गयी । समारोह में अच्छी तरह से सभी प्रभागों के प्रमुखों, वैज्ञानिकों, तकनीकी, प्रशासनिक कर्मचारियों और श्रम सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया । डॉ. एस.एम. वासनिक कार्यक्रम-उद्घोषक थे और डॉ. विशलेष नगरारे ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया । श्री. एस.एस.गजबिये, श्री. अनिल बराहटे, श्री. कृष्णा ईन्म्ले, श्री. पृथ्वीराज चौधरी, श्री. दिलीप मोहारले एवं श्री. मोरेश्वर वाग्डे ने कार्यक्रम की सफलता के लिए कड़ी मेहनत की ।

कपास उत्पादन हेतु समर्थन

आय.सी.ए.सी सचिवालय के अनुमान के अनुसार वर्ष 2011/12 में कपास उद्योग के लिए दस देशों ने अपने उपदान (सबसीडी) प्रदान की है । वर्ष 2011/12 में सबसे बड़ा उपदान प्रदान की देश संयुक्त राज्य अमेरिका नहीं थी बल्कि चीन थी। वर्ष 2009/10 के उपरांत चीन संयुक्त राज्य अमेरिका से बढ़कर अपनी कपास क्षेत्र के लिए समर्थन का सबसे बड़ा प्रदाता रह गयी है । नए न्यूनतम समर्थन मूल्य नीति और आयात उपदान के साथ, चीन में घरेलू कपास की कीमतों अंतरराष्ट्रीय कपास की कीमतों से अधिक बनाए रखा गया । वर्ष 2011/12 में चीनी कपास क्षेत्र के लिए कुल सरकारी समर्थन में लगभग 3 अरब अमरीकी डालर अनुमान लगाया गया था । इसकी तुलना में, फसल उपदान बीमा के माध्यम से अमेरिका के कपास क्षेत्र के लिए प्रदान की कुल समर्थन लगभग 820 मिलियन अमरीकी डालर थी । दूसरी ओर, यूरोपीय उत्पादकों, ग्रीस और स्पेन में, अन्य देशों के साथ तुलना में इकाई के प्रतिशत के आधार पर उच्च समर्थन प्राप्त होता है । कपास किसानों को प्रदान की कुल समर्थन में शीर्ष दस देशों तुर्की, माली, कोलम्बिया, सेनेगल और कोटे डील्वाईर हैं । आय.सी.आय.सी द्वारा 2007/08 और 2012/13 के बीच पांच गुना अधिक से अधिक कपास के एक समर्थक के रूप में समर्थन के साथ बढ़ रही चीन के उत्तेजक वृद्धि विशेष गुणदोष समझा जाता है । अधिकांश अन्य देशों में समर्थन बीच की अवधि में, शून्य या तो बडा था, लेकिन नहीं कई गुना रह गया है । वर्ष 2012/13 में अगर चीन की सरकार द्वारा राष्ट्रीय रिज़र्व के रुप मं 1 कपास का संग्रह नहीं किया रहता थो स्टाक के बाकी हिस्सों जमा हो सकते थे एवं दुनिया की अंतरराष्ट्रीय कपास की कीमतों में तेजी से पतन हो सकता था । वर्ष 2013/14 में वैश्विक शेयरों में थोड़ा गिरावट की उम्मीद है जबकि, कपास की मांग, धीमी गति के आर्थिक विकास के साथ विवश रहेगा । वैश्विक बाजार में लटके बड़ी चीनी कंपनियों के स्टाक्स की धमकी के साथ, अंतरराष्ट्रीय कपास की कीमतों आगामी दो वर्षों में मंद रहने का संभावना अधिक है । निम्न प्रकार चीनी न्यूनतम समर्थन मूल्य, स्थिति सुधारने की संभावना नहीं है ।

1. *अंतरराष्ट्रीय कपास सलाहकार समिति, कपास उद्योग के लिए सरकारी सहायता ,अक्टूबर 2012 ।*
2. *कुल सब्सिडी, जो कपास के प्रति किलो के बराबर नहीं है ।*
3. *अमेरिका में औसत से अधिक कपास की कीमतों का एक परिणाम कपास क्षेत्र के लिए अपना समर्थन उस वक्त काफी कम हुआ है और अतीत की तुलना में कम बने रहे हैं ।*
4. *वर्ष 2011-12 में समर्थन करनेवाले अन्य देशों तुर्की, ग्रीस, स्पेईन, कोलम्बिया एवं कुछ फ्रांकफोन आफ्रिकन देशों माली, सेनेगल और कोटे डील्वाईर आदि हैं ।*

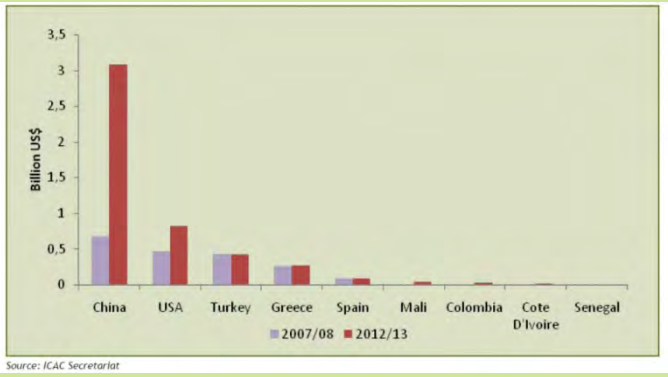

Source: ICAC Secretariat

संदर्भ

सूचना टिप्पणी मई 2013
कपास - वैश्विक उत्पादन एवं व्यापार नीति में रुझान
कृषि व्यापार और सतत विकास पर आय.सी.टी.एस.डी कार्यक्रम
(www.ictsd.org)

डॉ. अनुराधा नराला, वैज्ञानिक, कृषि अर्थशास्त्र,के.क.अ.सं, नागपुर द्वारा योगदान किया गया है ।

व्याख्यान देना

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के '**अनुसंधान डाटा प्रबंधन के कार्यान्वयन**' के 'कृषि' नामक के पोर्टल के संबंध में सह नोडल अधिकारी के रूप में मनोनीत डॉ. ऋषि कुमार, के.क.अ.सं. क्षेत्रीय केंद्र, सिर्सा ने दि.17.4.2015 को भा.कृ.अ.प. के संस्थानों में डाटा प्रबंधन हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के दिशा निर्देशों पर एवं आंतरिक मूल्यांकन और वैज्ञानिक शोध पत्रिकाओं के लिए अग्रेषण पत्र पर भाषण दिया । इस व्याख्यान में वैज्ञानिकों ने भाग लिया और एक परस्पर संवादात्मक सत्र इसके उपरांत हुआ ।

निर्मित एवं प्रकाशित: डॉ. के.आर.क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं, नागपुर
प्रमुख संपादक: डॉ. नंदिनी गोक्टे-नार्खडेकर
संपादकों: डॉ. जे.एन्नि शीबा, डॉ. विश्लेष नगरारे, डॉ. जे.अमुदा एवं डॉ. एम.शरवणन
जनसंचार माध्यम समर्थन एवं रुपांकन: डॉ. एम.सबेष एवं श्री. एस.सत्यकुमार
हिन्दी अनुवाद: श्रीमति. के.सुभश्री एवं डॉ. अ.हि.प्रकाश
निर्मित समर्थन: श्री. संजय कुश्वाहा

प्रमाण: कपास नई खोज अंक-3, खंड-4, 2015, भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

प्रकाशन टिप्पणी: यह समाचार पत्र आनलाईन http://www.cicr.org.in/News Letter.html में उपलब्ध है।
कपास नई खोज एक खुला उपयोग कपास समाचार पत्र है ।

कपास नई खोज - के.क.अ.सं, समाचार पत्र केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र.
कार्यालय: पांजरी, एल.पी.जी. बॉटलिंग प्लॉन्ट के पास, वर्धा रॉड, नागपुर- 441 108.
दूरभाष: 07103-275536 फैक्स: 07103-275529; E-mail: cicrnagpur@gmail.com